

नई शिक्षा नीति

भास्कर EXPLAINER

केंद्र सरकार ने 34 साल बाद नई शिक्षा नीति बनाई है। इसमें बहुत सी बातें अभी स्पष्ट नहीं की गई हैं। इसलिए छात्रों-अभिभावकों के कुछ सवाल हैं। विशेषज्ञों ने आसान तरीके से यूं समझाई नई नीति...

स्कूलों के क्लस्टर बनेंगे; शिक्षक समेत सभी संसाधन साझा हो सकेंगे

इलाके का सेकंडरी स्कूल आसपास के सभी छोटे स्कूलों का प्रमुख बनाया जाएगा

नई दिल्ली | नई शिक्षा नीति में सरकारी स्कूलों के प्रशासन में भी बड़ा बदलाव हुआ है। अब स्कूलों का प्रबंधन कॉम्प्लेक्स या क्लस्टर के तौर पर होगा। ये क्लस्टर स्कूल शिक्षा में गवर्नेंस की मूल इकाई होंगे। स्कूल कॉम्प्लेक्स के तहत आसपास के छोटे स्कूलों को एक सांगठनिक और प्रशासनिक इकाई के तहत लाया जाएगा। एक सेकंडरी स्कूल इनमें प्रमुख होगा, जबकि उसके आसपास के इलाके के सभी सरकारी स्कूल इसके तहत आएंगे। इससे इन सभी स्कूलों के संसाधनों को आपस में साझा करने में मदद मिलेगी। इन स्कूलों में पुस्तकालय, प्रयोगशाला, सोशल वर्कर, काउंसलर और विशेष विषयों के शिक्षकों जैसे संसाधन साझा किए जा सकेंगे। इसके अलावा देशभर में एक सरकारी और एक निजी स्कूल को साथ जोड़ने की बात भी नीति में है। स्कूलों के लिए मानक तय करने और मान्यता देने इत्यादि में भी नई शिक्षा नीति में बदलाव किया गया है। इसके लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को स्वतंत्र स्टेट स्कूल स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी (एसएसएसए) गठित करनी होगी। सरकारी और निजी स्कूलों का मूल्यांकन एक जैसे क्राइटेरिया के आधार पर होगा।

एक्सपर्ट पैनल

• वी रामगोपाल राव, डायरेक्टर, आईआईटी दिल्ली • प्रो. टीवी कट्टिमनी, • प्रो. एमके श्रीधर, एजुकेशन पॉलिसी ड्रॉपिंग कमेटी मेंबर • शोभा मिश्रा घोष, असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल, फिवकी

सबसे पहले समझिए 5+3+3+4 फॉर्मूला क्या है

नया स्ट्रक्चर

• **3 साल**
(आंगनवाड़ी/प्री-स्कूल/बालवाटिका (उम्र: 3-6))
• **2 साल**
(कक्षा: 1-2, उम्र: 6-8)

• **3 साल**
(कक्षा: 3-5, उम्र: 8-11)

• **3 साल**
(कक्षा: 6-8, उम्र: 11-14)

• **4 साल**
(कक्षा 9-12, उम्र: 14-18)

• **फाउंडेशन स्टेज (3+2 साल):** यह स्तर 3 से 8 साल तक के बच्चों के लिए है। खेल और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से ही बच्चे सीखेंगे। इसके लिए एनसीईआरटी ढांचा बनाएगा। यह स्तर दो हिस्सों में होगा। पहला- 3 से 6 साल तक के बच्चे आंगनवाड़ी, प्री-स्कूल या बालवाटिका में जाएंगे। विश्व स्तर पर यह आयु बच्चे के मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी गई है। वहीं, 6 से 8 साल की उम्र में बच्चे पहली और दूसरी कक्षा में पढ़ेंगे।

• **प्रीपेरेटरी स्टेज (3 साल):** इसमें 8 से 11 साल के बच्चे कवर होंगे। बच्चे खेल और खोजबीन के जरिये सीखेंगे। इंटरैक्टिव क्लासरूम होंगे।

• **मिडल स्टेज (3 साल):** छठी से आठवीं कक्षा तक। विज्ञान, गणित, कला, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों का प्रयोगिक ज्ञान दिया जाएगा।

• **सेकंडरी स्टेज (4 साल):** 9वीं से 12वीं तक। इसमें आलोचनात्मक चिंतन विकसित होगा। लचीलेपन के साथ छात्र पसंद के विषय चुन सकेंगे।

डिजिटल लर्निंग के लिए पहली बार केंद्र में ही इकाई बनेगी

ऑनलाइन शिक्षा बढ़ेगी। ई-शिक्षा के लिए शिक्षा मंत्रालय में एक इकाई बनेगी, जो कि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल कंटेंट और क्षमता निर्माण पर काम करेगी।

• **नई नीति कब लागू होगी? क्या पढ़ाई का पैटर्न एकाएक बदल जाएगा?** एकदम नहीं बदलेगा। एक दशक में धीरे-धीरे बदलाव होगा। जैसे 10वीं की परीक्षा का नया पैटर्न 2022-23 तक आएगा। 2024-25 में 12वीं का नया पैटर्न आएगा। प्री-प्राइमरी

की शिक्षा और पहली कक्षा के लिए 3 महीने का प्रीपेरेटरी मॉड्यूल सिस्टम अगले सत्र, यानी 2021-22 से ही लागू हो जाएगा। 2023-24 में 3 साल के बच्चों को आंगनवाड़ी में लाना सुनिश्चित होगा।

• **मेडिकल या इंजीनियरिंग की पढ़ाई की अवधि या पैटर्न में बदलाव होगा?** नहीं। इंटरशिप कठिन हो जाएगी। क्योंकि नई नीति में व्यावहारिक ज्ञान पर फोकस रहेगा। इससे डॉक्टरों की प्रैक्टिकल नॉलेज और बढ़ेगी। जेईई

और अन्य इंजीनियरिंग कोर्सों में भी प्रैक्टिकल नॉलेज पर जोर रहेगा।

• **क्या बोर्ड परीक्षा खत्म हो जाएगी?** तीसरी, पांचवीं और आठवीं में सभी की परीक्षा होगी। 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा जारी रहेगी, पर मूल्यांकन मानक तय करने के लिए नया राष्ट्रीय आकलन केंद्र 'परख' स्थापित होगा। मूल्यांकन प्रक्रिया एक साल में पूरी तरह बदलेगी। 2022-23 तक अध्यापकों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिक्षा का नया सपना साकार करने के लिए 40 लाख शिक्षकों की जरूरत | पढ़ें देश-विदेश पेज